



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49]

मई विलासी, राजनिवार, दिसम्बर 9, 1989 / प्रप्रहायण 18, 1911

No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 9, 1989/AGRAHAYANA 18, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—संख्या 3—उप-संख्या (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आवेदन और अधिसचिवादः
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

विधीध एवं व्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचनाएँ

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1989

का. ना. 3079.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सकाम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री वेद प्रकाश राणा डिवोकेल के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के प्रधीन एक भावेवत इस बात के लिए दिया है कि उसे विलीन राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौथे दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (75) 89/व्या.]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTICE

New Delhi, the 20th November, 1989

S.O. 3079.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4

of the said Rules, by Sh. Ved Prakash Rana Advocate for appointment as a Notary to practice in Union Territory of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(75)/89-Judl.]

का. ना. 3090.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सकाम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री व्याम सुधर चावला इडवोकेट से उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के प्रधीन एक भावेवत इस बात के लिए दिया है कि उसे विलीन राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौथे विन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (76) /89 89 व्या.]

के. एल. रामी, सकाम प्राधिकारी

NOTICE

S.O. 3080.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4

of the said Rules, by Shri Shyam Sunder Chawla, Advocate for appointment as a Notary to practise in Union Territory of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(76)/89-Judl]

K. L. SHARMA, Competent Authority

विद्य संशोधन

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली 8 मई, 1989

(आयकर)

का. ना. 3081.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इडियल नेशनल थियेटर" बम्बई का उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8351 फा./सं. 197/24/84-आ. कर. (नि. 1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 8th May, 1989

(INCOME-TAX)

S.O. 3081.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian National Theatre, Bombay," for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1984-85 to 1989-90.

[No. 8351/F. No. 197/24/84-IT(AI)]

(आयकर)

का. ना. 3082.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वित्तीय प्रबन्ध एवं भौत-संशान संस्थान मद्रास को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8352/फा. सं. 197/172/88-आर० कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3082.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "the Institute for Financial Management and Research, Madras," for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8352/F. No. 197/172/88-IT(AI)]

(आयकर)

का. ना. 3083.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दा. एम. पी. शिला फाउण्डेशन, कलकत्ता" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1987-88 से 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8353/फा. सं. 197/94/89-आ० कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3083.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The M.P. Birla Foundation, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1987-88 to 1989-90.

[No. 8353/F. No. 197/94-IT(AI)]

(आयकर)

का. ना. 3084.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा चौक भिन्सटर्स रिलीफ फंड बांग महाराष्ट्र, बम्बई को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8355/फा. सं. 197/32/89-आ. कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3084.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Chief Ministers Relief Fund of Maharashtra" Bombay for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8355/F. No. 197/32/89-IT(AI)]

नई दिल्ली 17 मई, 1989

(आय कर)

का. ना. 3085.—आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 10 के उपखंड (23ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों कर प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भतद्वारा भौत ओरवजी टाटा इंस्ट बम्बई को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8363/फा. सं. 197/27/89-आ. कर. (नि. 1)]

New Delhi, the 17th May, 1989

(INCOME-TAX)

S.O. 3085.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sir Dorabji Tata Trust, Bombay," for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8368/F. No. 197/27/89-IT(AI)]

(आयकर)

का. ना. 3086.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दा. शारदानन्द महिलाश्रम, बम्बई" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8365/फा. सं. 197/47/89-आ. कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3086.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (IV) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Shardhanand Mahilashram, Bombay," for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8365/F. No. 197/47/89-IT(AI)]

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का. आ. 3087.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा “जहांगीर आर्ट गैलरी, बंगलौर” को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करता है।

[सं. 8366/फा. सं. 197/113/89-आ. कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3087.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Jahangir Art Galliery, Bombay” for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8366/F. No. 197/113/89-IT(AI)]

(आयकर)

का० आ. 3088.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा “नवजीवन ट्रस्ट, महामारावाड़” को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करता है।

[सं. 8368/फा. मं. 197/68/89-आ. कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3088.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Navjivan Trust, Ahmedabad” for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8368/F. No. 197/68/89-IT(AI)]

(आयकर)

का. आ. 3089.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा “दा कस्तुरबा गांधी नेशनल मीमोरियल ट्रस्ट इंदौर” को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1988-89 और 1989-90 के लिए अधिसूचित करता है।

[मं. 8369/फा. मं. 197/214/87 आ. कर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3089.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Kasturba Gandhi National Memorial Trust, Indore” for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1988-89 and 1989-90.

[No. 8369/F. No. 197/214/87-IT(AI)]

(आयकर)

का. आ. 3090.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के उपखंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा “फाउण्डेशन, दिल्ली” को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1988-89 और 1989-90 के लिए अधिसूचित करता है।

[सं. 8370/फा. सं. 197/302/89-आ. कर (नि. 1)]

S.O. 3090.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Tibetan Homes Foundation, Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8370/F. No. 197/302/89-IT(AI)]

सई दिल्ली, 7 जून, 1989

(आयकर)

का. आ. 3091.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा “रूस डिवेलोपमेंट अर्नेंटाइजेशन नीलगिरी”, को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1989-1990 के लिए अधिसूचित करता है।

[सं. 8382/फा. सं. 197/104/88-आ. कर (नि. 1)]

New Delhi, the 7th June, 1989

(INCOME-TAX)

S.O. 3091.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Rural Development Organisation, Nilgiris” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1984-85 to 1989-90.

[No. 8382/F. No. 197/104/88-IT(AI)]

(आयकर)

का. आ. 3092.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23 ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा “वेद रक्षण निधि ट्रस्ट” मद्रास को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करता है।

[सं. 8403/फा. सं. 197/156/89-आ. कर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3092.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Veda Rakshana Nidhi Trust,” Madras for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8403/F. No. 197/156/89-IT(I)]

(आयकर)

का. आ. 3093.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं दूसरा “आंश्र प्रेषण स्टेट कौसिल कार चाइल्ड वेलफेर हैवरायोष” को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1986-87 के लिए अधिसूचित करता है।

[सं. 8404/फा. मं. 197/26/85-आ. कर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3093.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Andhra Pradesh State Council For Child Welfare, Hyderabad", for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1986-87 to 1988-89.

[No. 8404/F. No. 197/25/85-IT(AI)]

(प्रायकर)

का. भा. 3094.—प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (IV) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "वा नहूँ ट्रस्ट फार ऑफ़ज यूनिवर्सिटी" का उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निधारण वर्ष 1988-89 और 1989-90 के लिए आधिसूचित करता है।

[सं. 8405/का. सं. 197/120/89-प्रा. कर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3094.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Nehru Trust for Cambridge University", for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8405/F. No. 197/120/89-IT(AI)]

(प्रायकर)

का. भा. 3095.—प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "महाराष्ट्र स्टेट वैनिस कॉर्सिल का उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए आधिसूचित करती है।

[सं. 8406/का. सं. 197/162/89-प्रा. कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3095.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maharashtra State Women's Council" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8406/F. No. 197/162/89-IT(AI)]

(प्रायकर)

का. भा. 3096.—प्रायकर अधिनियम, 1462 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों अथा प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए आधिसूचित करती है।

[सं. 8407/का. सं. 197/157/89-प्रा. कर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3096.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Calcutta Pinjrapole Society", for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8407/F. No. 197/157/89-IT(AI)]

(प्रायकर)

का. भा. 3097.—प्रायकर अधिनियम, 1461 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "संगीत महानाली" बंगलौर का उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निधारण वर्ष 1989-90 के लिए आधिसूचित करता है।

[सं. 8408/का. सं. 197/74/89-प्रा. कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3097.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sangit Mahanalaal", Bangalore for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8408/F. No. 197/74/89-IT(AI)]

(प्रायकर)

का. भा. 3098.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "वा ज्लाइंग रिलीफ एसोसिएशन" बंगलौर का उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1984-85, 1985-86 तथा 1986-87 के लिए आधिसूचित करता है।

[सं. 8409/का. सं. 197/108/89-प्रा. कर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3098.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Blind Relief Association," Bombay for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1984-85, 1985-86 and 1986-87.

[No. 8409/F. No. 197/108/89-IT(AI)]

(प्रायकर)

का. भा. 3099.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "लिटिल सिस्टर्स प्राफ व पुअर, कलकत्ता" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए आधिसूचित करता है।

[सं. 8410/का. सं. 197/131/89-प्रा. कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3099.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Little Sisters of the Poor, Calcutta," for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8410/F. No. 197/131/89-IT(AI)]

(प्रायकर)

का. भा. 3100.—प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के उपखंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा "नेकनस एसोसिएशन फार वा ल्लाइंग" बंगलौर के उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए आधिसूचित करती है।

[सं. 8411/का. सं. 197/151/89-प्रा. कर. (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3100.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Association for the Blind," Bangalore for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8411/F. No. 197/151/89-IT(AI)]

(आयकर)

का.आ. 3101.—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एवंद्वारा "डी.ए.बी. कॉलिज मैनेजिंग कॉमेटी" नई विलो को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1987-88 से 1989-90 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8412/फा.सं. 197/47/89-मा.कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3101.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "D.A.V. College Managing Committee," New Delhi, for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1987-88 to 1989-90.

[No. 8412/F. No. 197/47/89-IT(AI)]

(आयकर)

का.आ. 3102.—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एवंद्वारा डा. मुंबर्जी भानोजी बानोजी इण्डस्ट्रियल होम फॉर दा ब्लाइंड" बम्बई को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष-1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8413/फा.सं. 197/133/89-मा.कर (नि-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3102.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Muncherjee Nowrojee Banajee Industrial Home for the Blind," Bombay for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8413/F. No. 197/133/89-IT(AI)]

(आयकर)

का.आ. 3103.—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एवंद्वारा "बम्बई पिंजरापोल, बम्बई" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8414/फा.सं. 197/134/89-मा.कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3103.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Bombay Panjrapole, Bombay", for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8414/F. No. 197/134/89-IT(AI)]

(आयकर)

का.आ. 3104.—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एवंद्वारा "भसम राइफल्स ब्यूं हैंड्योरेस स्कीम" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8415/फा.सं. 197/160/89-मा.कर (नि. 1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3104.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Assam Rifles Group Insurance Scheme", for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8415/F. No. 197/160/89-IT(AI)]

(आयकर)

का.आ. 3105.—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एवंद्वारा "प्रौद्योगिकीय कॉ-ऑर्डिनेशन्स कमेटी" और पूल एकाउण्ट्स" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए निम्नलिखित के लिए अधिसूचित करती है—

- (1) भाड़ा अधिभार पूल लेखा सं.-1
- (2) सं.एंट एफ समायोजन लेखा।
- (3) उत्पाद मूल्य समायोजन लेखा।
- (4) आर्ड लेख मूल्य सम्पर्क लेखा।

[सं. 8416/फा.सं. 197/179/88-मा.कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 3105.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Oil Co-ordination Committee on Pool Accounts":—

- (i) Freight Surcharge Pool Account No. 1.
- (ii) C & F Adjustment Account.
- (iii) Product Price Adjustment Account.
- (iv) Crude Oil Price Equalisation Account",

for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8416/F. No. 197/179/88-IT(AI)]

नई विलो, ६ अक्टूबर, १९८९

(आयकर)

का.आ. 3106.—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एवंद्वारा "इंस्टीट्यूट फॉर इंडियन लेबर", कलकत्ता को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87, 1987-88 तथा 1988-89 के लिए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ विनियिष्ट करती है।

[सं. 8466/फा.सं. 197/32/88-मा.कर (नि. 1)]

दलीप सिंह, विशेष कार्य अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 1989
(INCOME-TAX)

S.O. 3106.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute for Indian Labour" Calcutta for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1986-87, 1987-88 and 1988-89.

[No. 8466/F. No. 197/32/88-IT (AI)]
DALIP SINGH, Officer on Special Duty

मई दिल्ली, 27 जून, 1989

(आधिकार)

का.आ. 3107.—आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 10 के अंडे (23-ग) के उपर्युक्त (4) धारा-प्रति शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा कर-प्रधारण वर्ष 1987-88 से 1989-90 के बिंदु उक्त उपर्युक्त के प्रयोजनार्थ "विवेकानन्द निधि, कलकत्ता" को अधिसूचित करता है।

[संख्या 8397/का.सं. 107/274/87-आ.कर (नि.-1)]
क.के. त्रिपाठी, 'उप' सचिव

New Delhi, the 27th June, 1989
(INCOME-TAX)

S.O. 3107.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notified the "Vivekananda Nidhi, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1987-88 to 1989-90.

[No. 8397/F. No. 197/27/87-IT(AI)]
K. K. TRIPATHI, Dy. Secy.

केन्द्रीय उत्तराखण्ड समाहरणीय

अधिसूचना क्रमांक 7/1989

नागपुर 16 नवम्बर, 1989

का.आ. 3108.—श्री एस.के. भुरे अधीक्षक, केन्द्रीय उत्तराखण्ड समूह, "ख" समाहरणीय नागपुर, निर्वतन का आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-9-89 को अपराह्न में शार्कारी सेवा से निवृत्त हुए।

[पत्र नं. II (3') 5/89/स्था.-1/7.2.449]
जीतराम कैट, अपर समाहरणीय (प्रणालीन एवं कार्मिक)

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE
NOTIFICATION NO. 7/1989

Nagpur, the 16th November, 1989

S.O. 3108.—Shri S. K. Bhure, Superintendent, Central Excise Group 'B' of Nagpur Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government Service on 30-9-89 in the afternoon.

[C. No. II(3)5/89] Et. I/77449
J. R. KAITH, Addl. Collector
(Admn. and Personnel)

बाणिज्य समाचार

(मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय)

आदेश,

मई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1989

का.आ. 3109.—मसरू हाई टेम्प फॉर्नेस प्राइवेट लिमिटेड, 1-सी, सेक्टर केज, पीनिया हॉल्सीयर परिया, बंगलीर 560058 को जी.सी.ए.

के अस्तीत (1) नाम्बलाइंग फॉर्नेस (2) इण्डोपारमिक गेस जनरेटर (3) मैंश बेल्ट फॉर्नेस तथा (4) इन्डोपारमिक गेस जनरेटर (एम.एफ. 2000) के आयात के लिए 22,32,000 रु. (बाईस लाख और छह हजार एवं पाँच साल) के लिए एक आयात साइरेस सं. पी/एस./2018251 दिनांक 5-7-89 दिया गया था।

2. कर्म ने उपर्युक्त साइरेस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति का अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि साइरेस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति उनसे खो गया है। आगे यह भी उल्लेख किया है कि साइरेस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति किसी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं थी और इसलिए सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति के मूल्य का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया है।

3. अपने तर्क के समर्पन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक, विल्सी के समर्थ लिष्टिंग शपथ लेकर एक शपथपत्र दाखिल किया है। लबनुमार, मैं संकुष्ट हूँ कि आयात साइरेस सं. पी/एस./2018251 दिनांक 5-7-89 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति कर्म से खो गया है। 7-12-1955 के याकासंबंधित आयात (नियंत्रण) वादेश 1955 की उपरांत 9 (गग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मसरू हाई टेम्प फॉर्नेस प्राइवेट लिमिटेड, बंगलीर को जारी उक्त मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति सं. पी/एस./2018251 दिनांक 5-7-89 को एवं द्वारा रद्द किया जाता है।

4. उक्त साइरेस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति कर्म को अलग से जारी की जा रही है।

[सं. सालो/एन.एम. 5/672/एस.एस.आर./ए. एम-90/एस.एल.एस./864]

से. कुजुर, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 24th November, 1989

S.O. 3109.—M/s. High Temp Furnaces Pvt. Ltd., 1-C, Second Phase, Peenya Industrial Area, Bangalore-560058 were granted an import licence No. P/S/2018251 dated 5-7-89 for Rs. 22,32,000 (Rupees Twenty two lakhs and thirty two thousand only) for import of (1) Normalising Furnaces (2), Endothermic Gas Generator (3) Mesh Belt Furnaces and (4) Endothermic Gas (Generator SF 2000) under G.C.A.

2. The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs Purposes copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Customs Purposing copy of the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of Customs Purpose copy has not been utilised at all.

3. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Delhi. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of import licence No. P/S/2018251 dated 5-7-89 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs Purposes copy No. P/S/2018251 dated 5-7-89 issued to M/s. High Temp Furnaces Pvt. Ltd., Bangalore is hereby cancelled.

4. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. Suppl./NS. 5/602/SSI/AM-90/SLS/864]

S: KUJUR, Dy. Chief Controller of
Imports and Exports

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रण कार्यालय

(केंद्रीय लाइसेंसिंग बोर्ड)

नियंत्रण आदेश

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1989

का.प्रा. 3110—मैसर्स म्यूर हॉटरलैनेशनल हॉल., 9-भ्रमा० वैन्डसे०
शिवम् हाउस, एफ-१४, फ्लाट सर्केस, नई दिल्ली का ३ एमएम या ६
एमएम और १२ एमएम रिवेल ग्लास के नियंत्रण का 1065600/
रुपये के एफ.ओ.बी. मुख्य के लिए आवार के साथ ५ एमएम या ८
एमएम किलोग्राम या टिनिटिड फ्लाट ग्लास-4800 स्क्वेयर मीटर और १२
एमएम किलोग्राम या टिनिटिड फ्लोट ग्लास-2400 स्क्वेयर मीटर के आयात
के लिए 810000/ रुपये का एक अग्रिम लाइसेंस से. पी.कि/3079921
दिनांक 23-10-84 साथा डी.ई.ई. सी. बुक सं.-007991-92 (बम्बई)
दिनांक 28-11-84 प्रदान किया गया था।

फर्म ने सूचित किया है कि डी.ई.ई.सी. बुक सं.-007992 (बम्बई)
दिनांक 28-11-84 बम्बई सोमा-गूल्क के पास पंजीकरण के बावजूद
गयी है अस्थानस्थ रुही गयी है।

फर्म से प्रक्रिया पुस्तक 1988-91 के बैरा 91 के अन्तर्गत यथा प्रपेक्षित
उपरोक्त विवरण के समर्थन में एक शापथ पत्र दर्ज किया है। मैं सत्याग्रह
हूँ कि डी.ई.ई.सी. बुक सं.-007992 (बम्बई), दिनांक 28-11-84
जो गयी है/अस्थानस्थ हो गयी है।

आज तक यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक
7-12-55 के घण्ट ७ (बी) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते
रुपये में एतद्वारा उक्त डी.ई.ई.सी. के नियंत्रण का आदेश देता है।

डी.ई.ई.मी. बुक बी दूसरी प्रति जारी करने के आवेदक के केम
में प्रक्रिया पुस्तक 1988-91 के बैरा 91 के अनुमार विचार किया जायेगा
बास्तव कि वह अधीक्षताकारी की सम्मुखिय के लिए निर्धारित दस्तावेज प्रमुख
करें।

[ना.प्रा.-ए.इ.को/गाई./यू.ई.ए.न/49/एम-85/ए.ए.स-II/सी.एल.ए/3063]
एन.सी. अग्निहोत्री, उप मुख्य नियंत्रक आयात व नियंत्रण
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात व नियंत्रण

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS
(Central Licensing Area)
“CANCELLATION ORDER”

New Delhi, the 15th November, 1989

S.O. 3110.—M/s. Mayur International Inc., 9, Aman Chambers, Shivam House, F-14, Connaught Circus, New Delhi was granted an advance Licence No. P/K/3079921 dated 23-10-84 and DEEC Book No. 007991-92 (BOM.) dated 28-11-84 for Rs. 8,10,000 for import of 5 mm or 6 mm Clear or Tinted Float Glass 4800 Sq. Mtrs. and 12 mm Clear or Tinted Float Glass-2400 Sq. Mtrs. with an obligation for an fob value of Rs. 10,65,600 to export 5 mm or 6 mm and 12 mm bevelled Glass.

The firm has reported that DEEC Book No. 007992 (BOM.) dated 28-11-84 has been lost/misplaced after having been registered with Customs, Bombay.

The firm has filed an affidavit in support of above statement as required under para 91 of Hand Book 1988-91 of Import Export Procedure. I am satisfied that the DEEC Book No. 007992 dated 28-11-84 has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9 (d) of Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended 3396 G.I./89-2

upto date, I hereby order cancellation of the said DEEC Book.

The applicant case will be considered for issue of duplicate DEEC Book in accordance with para 91 of Hand Book 1988-91 and subject to production of prescribed documents to the satisfaction of the undersigned.

[F. No. ADV/LIC/UDES/49/AM. 85/ALS. II/CL/3063]

N. D. AGNIHOTRI, Dy Chief Controller of
Imports and Exports
For Jt. Chief Controller of Imports and Exports

उद्धोग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1989

का.प्रा. 3111—केंद्रीय सरकार, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक का
कार्यालय, मद्रास तथा उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक का कार्यालय कलकत्ता
जिन्हें क्रमांक: इस विभाग की प्रधिसूचना संख्या E-12012/2/79-हिन्दी
दिनांक 28-९-1979 तथा प्रधिसूचना संख्या E-12012/1/87-हिन्दी
दिनांक 10-७-1989 द्वारा राजमार्ग (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए
प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के प्रधीन प्रधिसूचित किया गया था, को इनमें हिन्दी का कार्यालयक शास्त्र रखने वाले
कर्मचारियों का प्रतिशत घटकर क्रमण: 40 व 45 प्रतिशत हो जाने के
पारण इनविस्तृति करती है।

[सं. E-12012/1/87-हिन्दी]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 18th September, 1989

S.O. 3111.—The Central Government hereby denotifies the Office of the Deputy Chief Controller of Explosives, Madras and the Office of the Deputy Chief Controller of Explosives, Calcutta, which were notified under Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 vide this Department Notifications No. E-12012/2/79-Hindi, dated the 28th September, 1979 and No. 12012/1/87-Hindi, dated 10-7-89 respectively, as the percentage of the employees who have working knowledge of Hindi has reduced to 40 and 45% respectively in these Offices.

[No. E-12012/1/87-Hindi]

गण्डि पत्र

का.प्रा. 3112—केंद्रीय सरकार इस विभाग को प्रधिसूचना संख्या E-12012/1/87-हिन्दी दिनांक 10-7-1989 में निम्नलिखित संशोधन करती है :

प्रधिसूचना की क्रम संख्या 58—

“भेदीय विकास आयात कार्यालय, कलकत्ता” के स्थान पर
“भेदीय विकास आयात कार्यालय, बम्बई” पड़ा जाये।

[सं. E-12012/1/87-हिन्दी]
रवीन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त सचिव

CORRIGENDUM

S.O. 3112.—The Central Government hereby makes the following amendment in this Department's notification No. 12012/1/87-Hindi dated 10-7-1989.

Against S. No. 58 of the notification—

"Office of the Regional D.C., Calcutta" is substituted by "Office of the Regional D.C., Bombay".

[No. E-12012/1/87-Hindi]
R. K. SINHA, Jt. Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1989

का.आ. 3113.—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि नोवेंबर में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में हजारी से आई. प्री.सी. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन इंशियन आगत घार्फरिशन द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसो लाइनों को 'बिछाने का प्रयोजन के लिये एतद्वाबद्ध प्राप्तिशील में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

प्रतः प्रतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार न उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आवश्यक एतद्वारा बोधित किया है।

वर्षते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के भीतर पाइप लाइन बिछाने के लिए आवेदन संघर्ष प्राधिकारी, वेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, हजारी, प्रोजेक्ट, 60 सुखाव नगर सोसायटी, बोड बोर्ड रोड, सूरत को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह बाह्य है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की सार्कत।

प्राप्तिशील

हजारी से आई. प्री.सी. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : सूरत तालुका : चोदासी

गांव	इलाका नंबर	हेक्टर	प्रार. सेक्ट्रीयर
भाटपोर	333	1	61
	290	0	25
तापी मरी	1	29	20
सरकारी			

[सं. ओ.-11027/149/89-ओएनजी-सी-III]
के.विवेकानन्द, डेस्क प्राधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 21st November, 1989

S.O. 3113.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from HAZIRA to I.O.C. in Gujarat State pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Hazira Project, "Prahar", 60, Subhashnagar Society, Ghod-Ded- Road, Surat.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Hazira to I.O.C.

State : Gujarat. District : Surat Taluka:Chorasi

Village	Block No.	H.	Are.	Centi Are
Bhatpore	333	1	61	28
	0		290	25
Tapi River		1	29	20
Govt.				

[No. O.11027/149/89-ONG/D III]

K. VIVEKANAND, Desk Officer

कर्जा बंत्रालय

(फोयला विभाग)

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1989

का.आ. 3114.—केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रमीत होता है कि इससे लपावद्ध प्राप्तिशील में वर्णित भूमि से कोयला अनिवार्य करने की समावित

अब ग्रब केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक खेत्र (सर्वत और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 के 20) की धारा 4 की उपचारण (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भूमि में कौपने की पूर्वेक्षण करने के अपने आग्रह की सूचना देती है।

इस अधिकृतना के अधीन आने वाले रेखांक में, राजस्व/70/82 तारीख 5 अक्टूबर, 1982 का निरीक्षण सेंट्रल कॉलफाइल्ड्स लि. (राजस्व अनुसार) दरमांगा हाउस, रोडी-834001 (विहार) के कार्यालय में या उपायुक्त, हजारीबाग (विहार) के कार्यालय में या उपायुक्त पलायु (विहार) के कार्यालय में या कोयला निरीक्षक-1 का उन्नित हाउस स्ट्रीट कलकता-700 001 के कार्यालय में किया जा सकता।

इस अधिकृतना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितवड़ सभी अनित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपचारा (7) में विनिर्दिष्ट सभी तक्षणों, चार्टी और अस्थि वस्त्रायेजों को इस अधिकृतन के प्रकाशन की तारीख से नव्वे दिन के द्वितीय राजस्व अधिकारी सेंट्रल कॉलफाइल्ड्स लि., दरमांगा हाउस, रोडी-834001 (विहार) की परिमत करें।

प्रभुसूची

भगव ज्ञान

उपरी कर्मपुरा कोयला थेव

रेखांक में, राजस्व /70/82 तारीख 5-10-1982

(पूर्वेक्षण के लिए अधिकृतित भूमि वर्णन चाहा)

क्रम सं.	प्राप्त	थाना	थाना सं.	जिला	थेव एकड़ में	थेव हेक्टर में	टिक्का
1. ग्राम	बानमठ		55	पलाम	1056.00	427.35	मांग
2. चमाटू	बानमठ		56	पलामू	2210.80	898.72	मांग
3. कुर्लोंग	टणवा	26/183	हजारीबाग	665.00	269.11	मांग	
4. कुन्डी	टणवा	27/84	हजारीबाग	314.47	127.15	पूर्ण	
5. देवालगांव	यथोक्त	28/185	यथोक्त	120.44	48.74	यथोक्त	
6. नराघू	यथोक्त	29/186	यथोक्त	3377.00	1366.60	मांग	
7. हैवावालिया	यथोक्त	30/187	यथोक्त	25.00	10.12	यथोक्त	
8. मर्शिलांग	यथोक्त	61-18	यथोक्त	192.00	77.70	यथोक्त	
9. राहम	यथोक्त	62/219	यथोक्त	128.00	51.80	यथोक्त	
10. मैदूपा	यथोक्त	64/221	यथोक्त	205.00	82.96	यथोक्त	
11. राहू	यथोक्त	65/222	यथोक्त	96.29	38.96	यथोक्त	
कुल थेव					84800.00 एकड़ या 3399.31 हेक्टर		
							(लगभग)

सीमा वर्णन :

क-ख रेखा हजारीबाग जिले के कुर्लोंग और पलामू जिले के बानमठ ग्रामों की जिला सीमा के साथ-साथ अली छुई 'ख' बिन्दु पर मिलती है।

ख-ग रेखा हजारीबाग जिले के कुर्लोंग ग्राम होकर जाती है और जिला सीमा के 'ग' बिन्दु पर मिलती है।

ग-घ-झ रेखा पलामू जिले के चमाटू ग्राम होकर जाती है और जिला सीमा के 'झ' बिन्दु पर मिलती है।

झ-च रेखा कुर्लोंग ग्राम होकर जाती है और 'च' बिन्दु पर मिलती है।

च-छ रेखा आरा और चमाटू ग्राम होकर जाती है और 'छ' बिन्दु पर मिलती है।

छ-ज रेखा चमाटू और कुर्लोंगवालिया या अरमवारीह, चमाटू और गणेशार ग्रामों की भवितव्य सीमा (जो उम अधिनियम को धारा 9 की उपचारा (1) के अधीन अंग्रेजिन फिल्डर ग्राम अलंक के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) के साथ-साथ भागत जाती है और 'ज' बिन्दु पर मिलती है।

ज-झ रेखा चमाटू ग्राम होकर जाती है और 'झ' बिन्दु पर मिलती है।

झ-आ, ट रेखा दोहरे मिलवा ग्राम होकर जाती है और 'ट' बिन्दु पर मिलती है।

ट-ठ रेखा मिलवा, मगध, रहम और मार्मिलोंग ग्रामों से होकर जाती है और 'ठ' बिन्दु पर मिलती है।

ठ-इ-ठ रेखा मार्मिलोंग और मार्ग्य ग्रामों से होकर जाती है और 'इ' बिन्दु पर मिलती है।

ठ-ण-भ मगध और हैवावालिया ग्राम होकर जाती है और 'भ' बिन्दु पर मिलती है।

न-थ-द रेखा हैवावालिया और मगध ग्राम होकर जाती है और 'द' बिन्दु पर मिलती है।

द-क रेखा कुर्लोंग और बरकुटे ग्राम होकर जाती है और अरंडिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 23rd November, 1989

S.O. 3114.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the land mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan No. Rev/70/82, dated the 5th October, 1982 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Central Coalfields Limited, Revenue Section, Darbhanga House, Ranchi-839001 (Bihar) or in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the office of the Deputy Commissioner, Palamau (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700001.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coal fields Limited, Darbhanga House, Ranchi-834 001 (Bihar), within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

Magadh Block

(North Karanpura Coalfield)

Plan No. Rev/70/82, dated 5th October, 1982.

(Showing land notified for prospecting).

Serial number	Village	Thana	Thana number	District	Area in acres	Area in hectares	Remarks
1. Ara	Balmath		55	Palamau	1056.00	427.35	Part
2. Chamatu	-do-		56	-do-	2220.80	898.72	-do-
3. Kurlonga	Tandwa		26/183	Hazaribagh	665.00	269.11	-do-
4. Kundi	-do-		27/184	-do-	314.47	127.25	Full
5. Devalgara	-do-		28/185	-do-	120.44	48.74	-do-
6. Saradhu	-do-		29/186	-do-	3377.00	1366.60	Part
7. Hechabalia	-do-		30/187	-do-	25.00	10.12	-do-
8. Masilangu	-do-		61/218	-do-	192.00	77.70	-do-
9. Raham	-do-		62/219	-do-	128.00	51.80	-do-
10. Sidpa	-do-		64/221	-do-	205.00	82.96	-do-
11. Dahu	-do-		65/222	-do-	96.29	38.96	-do-

Total : area : 8400.00 acres or 3399.31 hectares (approximately)

Boundary description :—

A-B line passes along part district boundary in villages Kurlonga of District Hazaribagh and Banalat of Dist. Palamau and meets at point 'B'.

B-C line passes through village Kurlonga of district Hazaribagh and meets at point 'C' on the district boundary.

C-D-E lines pass through village Chamatu of district Palamau and meets at point 'E' on the district boundary.

E-F line passes through village Kurlonga and meets at point 'F'.

H-G line passes through village Ara and Chamatu and meets at point 'G'.

G-H line passes along part common boundary of villages Chamatu and Phulbasia or Amarwadih, Chamatu and Ganeshpur (which forms common boundary with Pindercom Block acquired under sub-section (1) of section 9 of the said Act) and meets at point 'H'.

H-I line passes through village Chamatu and meets at point 'I'.

I-J-K lines pass through villages Dahu and Sidpa and meets at point 'K'.

K-L line passes through villages Sidpa, Saradhu, Raham and Masilaung and meets at point 'L'.

L-M-N lines pass through villages Masilaung and Saradhu and meets at point 'N'.

N-O-P lines pass through villages Saradhu and Hechabalia and meets at point 'P'

P-Q-R lines pass through villages Hechabalia and Saradhu and meets at point 'R'.

R-A line passes along part common boundary of villages Kurlonga and Barkute and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/16/89-PW]
B.B. RAO, Under Secy.

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति संचालन

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक अधीक्षण

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1989

का.आ. 3115--भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2) विनाम्र 1984-10-20 में प्रकाशित खाद्य एवं नागरिक पूर्ति संचालन (नागरिक पूर्ति विभाग) (भारतीय मानक संस्था) की अधिनूसना संक्षा का.आ. 3283 विनाम्र 1984-09-26 में आणिक गोणोंवां करते हुए भारतीय मानक अधीक्षण एवं इकाई महरांग की फीस जिसका विवरण नोंचे अनुच्छेद में दिया गया है, संजोधित कर दी गई है। महरांगका फीस की संर्णाधित दरें 1989-08-01 से लागू होंगी।

अनु-पूर्ति

फ्रम नं.	उत्पाद/उत्पाद श्रेणी	संबद्ध भारतीय मानक की मंडवा ओर वर्ण	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
1. बर्नो के निर्माण के लिए विट्वां ऐल्युमिनियम और ऐल्युमीनियम मिश्र धातु	IS : 21-1975	एक टन	₹. 15.00	

[गढ़वा नी.एम.डी./13 : 10]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Dept. of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, 30th October, 1989

S.O. 3115--In partial modification of the Ministry of Food & Civil Supplies (Dept. of Civil Supplies) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 3283 dated 1984-09-26 published in the Gazettes of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1984-10-20 the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the marking fee per unit for wrought aluminium details of which are given in the Schedule here to annexed, has been revised. The revised rate of marking fee shall come into force with effect from 1989-08-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. & Year of the Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Wrought aluminium and aluminium alloy for manufacture of utensils	IS : 21-1975	One Tonne	Rs. 15.00

[No. CMD/13: 10]

क्रांति. ३११६—भारत के राजपत्र भाग २, संख्या ३, उपलब्ध (ii) विनाक १९८१-११-२१ में प्रकाशित नागरिक पूर्णी मन्त्रालय (भारतीय मानक संस्था) की अधिसूचना संख्या क्रा. आ. ३१४४ विनाक १९८१-११-०३ का अधिकार मानक ब्यूरो एवं भारतीय मानक ब्यूरो एवं तदाचार अधिसूचित करता है कि उत्तरक पैक करने के लिए सिरपाल कपड़े से निर्मित परतवार जूट के बोरे के लिए मानक महर के डिजाइन में संगोष्ठित किया गया है। मानक महर का संशोधित डिजाइन सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या वर्ष महित नीचे अनुसूची में दिया गया है।

भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, १९८७ के नियम ९ के उपनियम (१) के अनुसरण में यह मानक महर १९८७-०५-०१ से लागू होगा:

अनुसूची

क्रम सं.	मानक महर का डिजाइन	उपाय/उत्पाद श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	मानक महर के डिजाइन का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1		उत्तरक पैक करने के लिए 407 जी/एम 85×39 टिप्पाल के कपड़े से निर्मित परतवार जूट के बोरे	IS : 7406 (भाग १)---1984	सभ्य (१) में दिखाई गई निपिक्त भीनी और परस्पर सम्बद्ध अनुपात में बनाया गया। "ISI" अधिकारक भारतीय मानक ब्यूरो का मोनोग्राम जिसमें भारतीय मानक की संख्या डिजाइन में विद्याए अनुसार मोनोग्राम के ऊपर और सबद्ध भागी संख्या मोनोग्राम के नीचे अंकित हो।
2		उत्तरक पैक करने के लिए 380 जी/एम 68×39 टिप्पाल के कपड़े से निर्मित परतवार जूट के बोरे	IS : 7406 (भाग १)---1986	

[संख्या सी ८ म डी/१३ : ९]

S.O. 3116.—In supersession of the then Ministry of Civil Supplies (Indian Standards Institution) notification number S.O. 3144 dated 1981-11-03 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section(ii) dated 1981-11-21, the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the designs of the Standard Marks for laminated jute bags for packing fertilizers have been revised. The revised designs of Standard Marks together with the number and year of the relevant Indian Standard and description of the design are given in the following Schedule.

In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 9 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987 these standard marks shall come into force with effect from 1987-05-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Year of the Relevant Indian Standard	Description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 407 g/m ² , 85×39 tarpaulin fabric.	IS : 7406 (Part 1)—1984	The monogram of the Bureau of Indian Standards consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col(2);

1	2	3	4	5
2.		Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 380 g/m 68 x 39 tarpaulin fabric.	IS : 7406(Part 2) 1986	the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the relevant part number being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

कांगड़ा 3117.—मार्कीय मानक घूरो नियम, 1987 के नियम 9 के उनियम (1) के प्रत्युत्तर में भारतीय मानक घूरो एन्ड ब्रॉडग्राह अधिसूचित करता है कि जिस मानक मुद्रा का डिजाइन, उसके शाब्दिक विवरण और सम्बद्ध मार्कीय मानक की संख्या वर्ष सहित नोंचे अनुमूली में दी गयी है, वह नियमित कर दिया गया है।

भारतीय मानक घूरो अधिनियम, 1986 और उसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के प्रयोगन के लिए यह मानक मुद्रा 1987-04-01 से लागू होगी।

क्रम संख्या	मानक मुद्रा का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद श्रेणी	सम्बद्ध मार्कीय मानक की संख्या और वर्ष	मानक मुद्रा के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(1)	(3)	(4)	(5)
1		सोडा अम्ल रासायनिक अग्निशामक ईंजिनों के लिए रिफिल, अम्ल 50 लिटर	IS : 5490 (भाग 3) - 1979	स्टम्प (2) में दिखाई गई नियमित गैली और पर्स्पर सम्बद्ध प्रत्यापात में जनाशा गया ISI अवधारणा का भारतीय मानक घूरो का भोजनाप्राप्त जिसमें भारतीय मानक की संख्या डिजाइन में दिखाए अनुसार भोजनाप्राप्त के कपर अंकित हों।

[मंजुषा दो एमडी/9/13 : 9]

S. O. 3117.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 9 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987 the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the Standard Mark, design of which together with the description of the design and the number and year of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1987-04-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and year of the Relevant Indian Standard	Description of the design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		Refills for soda acid chemical fire engines 50 litres capacity	IS : 5490 (Part III) — 1979	The monogram of the Bureau of Indian Standards, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का. अ. 3118.—भारतीय मात्रक अनुरोध (प्रभावन) विनियम, 1988 के विनियम 6 के उपविनियम (3 के अनुसरण में भारतीय मात्रक अनुरोध द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है एवं कि सोडा अम्ल रासायनिक अग्नि-शामक इंजिनों के लिए रिफिले जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस निर्धारित कर दी गई है और यह फीस 1974-04-01 से लागू होगी।

प्रम. सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	समान भारतीय मात्रक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सोडा अम्ल रासायनिक अग्नि-शामक इंजिनों के लिए रिफिले, क्षमता 50 लिटर	IS : 5490 (भाग 3)—1979	एक रिफिल	25 पैसे

[निम्नांकित नं/13 : 10]
प्रति, मुकाबिलेयमत, उप महानिवेशक

S. O. 3118.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 6 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the marking fee per unit for refills for soda acid chemical fire engines details of which are given in Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1974-04-01 :—

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and year of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Refills for soda acid chemical fire engines 50 litres capacity	IS : 5490 (Part III)—1979	One Refill	25 Paise

[No. CMD/13 : 10]
S. SUBRAHAMANYAN, Dy. Director
General

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1989

का. अ. 3119:—वर्त चिकित्सक अधिनियम 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खंड (ष) के अनुसरण में डा. वीदार मिह रियार अध्यक्ष सरकारी दंत चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल पटियाला को पंजाबी विश्वविद्यालय की सीनेट द्वारा 4 अप्रैल 1989 से भारतीय दस्त चिकित्सा परिवर्त के एक सबस्थ के रूप में निर्वाचित किया गया है।

अतः जब केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा (6) की उन धारा (1) के गाथ अंडित धारा 3 के खंड (ष) के अनुसरण में भारत

सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की प्रधिसूचना संघर्ष का. अ. 430 तारीख 24 जनवरी 1984 में निम्नलिखित संशोधन कर्त्ता है प्रथमते—

उक्त प्रधिसूचना में “धारा 3 के खंड (ष) के अधीन निर्वाचित” प्राथमिक नींव कम संख्या 3 और उससे संबंधित प्रविष्टियाँ के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा—

डा. वीदार मिह रियार, निर्वाचित पंजाबी 4-4-1989

अध्यक्ष, दंत चिकित्सा शोर,
सरकारी दंत चिकित्सा शोर,
पताल पटियाला।

[म. धी—120/13/2/88-प्र. एम. एम]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Dpeptt. of Health)

New Delhi, the 15th November, 1989

S.O. 3119.—Whereas in pursuance of clause(d) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), Dr. Didar Singh Riar, Head, Government Dental College and Hospital, Patiala has been elected to be a member of the Dental Council of India by the Senate of the Punjabi University with effect from the 4th April, 1989;

Now, therefore, in pursuance of clause(d) of section 3 read with sub-section(1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare, No. S.O. 430 dated the 24th January, 1984 namely :—

In the said notification, under the heading “Elected under clause(d) of section 3”, for serial number 3 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“3. Dr. Didar Singh Riar, Head, Government Dental College and Hospital, Patiala.	Elected	Punjabi University	4-4-1989”
---	---------	--------------------	-----------

[No.V.12013/2/88-PMS]

का.आ. 3120.—देश चिकित्सा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खंड (३) के अनुसरण में, संबंधित राज्य सरकारों द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से भारतीय देश चिकित्सा परिषद का सदस्य नामनिर्देशित किया गया है। प्रथम—

प्रथम	नाम और फैला	नामनिर्देशित	नामनिर्देशित की	
मंजुरा		करने वाले	तारीख	
		प्राधिकारी का		
		नाम		
1	2	3	4	5
1. डा. एम. बी. लंबे	महाराष्ट्र सरकार	13-3-89		
मंजुर निदेशक				
(देश चिकित्सा) आयुविज्ञान				
विज्ञान और असुविधान निदेशालय,				
गवर्नरी देश चिकित्सा काउन्सि				
शी और अस्पताल भवन, सेंट जॉर्ज				
हास्पिटल कम्पाउंड, १, पी.				
डिसेलो रोड, कोट,				
बम्बई-400001।				
2. डा. ए. के. दास, प्रधानाचार्य,	मध्यप्रदेश सरकार	2-3-1989		
कानून आकड़ेनिस्टी, इंदौर,				

1	2	3	4	5
3. डा. एफ. हाँडा, निदेशक,	पंजाब सरकार			5-12-1988

अनुसंधान और आयुविज्ञान विज्ञान
पंजाब चैर्सीयक।

अतः धर्म, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 6 को उत्थारा (1) के साथ पठित धारा 2 के खंड (३) के अनुसरण में, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की प्रधिमूच्चना संघर्षा का.आ. 430, तारीख 24 जनवरी, 1984 का निम्नलिखित संगोष्ठी करनी है।

उक्त प्रधिमूच्चना में “धारा 3 के खंड (३) के अवधार नामनिर्देशित” शब्द के अर्थात्, क्रम संख्याक 5, 7 और 10 तथा उनसे संबंधित प्रविटियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविटियों ग्रन्ती जाएँगी, प्रथम—

1	2	3	4	5
“5. डा. एम. बी. लंबे	नामनिर्देशित	महाराष्ट्र	13-3-89	
मंजुरा				
7. डा. ए. के. दास	नामनिर्देशित	मध्यप्रदेश	2-3-89	
		मराठा		
10. डा. एफ. हाँडा	नामनिर्देशित	पंजाब	5-2-88	
		सरकार		

[म. वी 12013/2/89 पी.एम.एस.]

S.O. 3120.—Whereas in pursuance of clause(a) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the following persons have been nominated to be the members of the Dental Council of India by State Governments concerned with effect from the dates shown against each, namely :—

S.No.	Name and Address	Authority nominating	Date of Nomination
1	2	3	4
1.	Dr. M.V. Lele, Joint Director (Dental), Dte. Medical Education & Research,	Maharashtra Government	13-3-1989

1

2

3

4

1. Govt. Dental College & Hospital Building, St. George's Hospital Compound, 1. P.D. 'Mello Road, Fort, Bombay-400001.			
2. Dr. A.K. Das, Principal, College of Dentistry, Indore.	Madhya Pradesh Government	2-3-1989	
3. Dr. F. Handa, Director, Research & Medical Education, Punjab, Chandigarh	Punjab Government	5-12-1988	

Now, therefore, in pursuance of clause(e) of section 3 read with sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare, No.S.O.430 dated the 24th January, 1984.

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (3) of section 3", for serial numbers 5, 7 and 10 and entries relating thereto, the following entries shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
"5. Dr. M.V. Lele	Nominated	Maharashtra Government	13-3-1989	
7. Dr. A.K. Das	Nominated	Madhya Pradesh Government	2-3-1989	
10. Dr. F. Handa	Nominated	Punjab Government	5-12-1989	

[No. V-12013/2/89-PMS]

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1989

का.आ. 3121:—केंद्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त् याक्षियों का प्रयोग करने हूए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की पहली अनुमति का निम्नलिखित घोर संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुमति में, उत्तमान्या विश्वविद्यालय शीर्षक के नं.वे, अंत में निम्नलिखित प्रविटियां अलै. स्थापित की जाएँगी, अर्थात् :—

"डॉक्टर ऑफ मैडिसिन (प्रमुख विज्ञान और स्कॉ रोग विज्ञान)
एम.डी. (प्रमुख विज्ञान और स्कॉ रोग विज्ञान, डी.जी.ओ.)"
स्कॉ रोग विज्ञान और प्रमुख विज्ञान में छिप्लोमा।

[मंडपा अं.- 11015/30/89-एम ई (न.)]

New Delhi, the 23rd November, 1989

S.O. 3121.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

In the said Schedule, under the heading University of Osmania, the following entries shall be inserted at the end, namely

"Doctor of Medicine (Obstetrics & Gyaneoelogy) M.
D. (Obst. & Gynaec) Diploma in Gynaecology &
Obstetrics D.G.O."

[No. V-11015/30/89-ME(P)]

का.आ. 3122:—केंद्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 13 की उपधारा, (4) द्वारा प्रदत् याक्षियों का प्रयोग करने हूए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, उक्त अधिनियम की तीसरी अनुमति के भाग 2 का निम्नलिखित घोर संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिनियम की तीसरी अनुमति के भाग 2 के अंत में निम्नलिखित प्रविटि जोड़ी जाएँगी, अर्थात् :—

"एम.डी. (चिकित्सा) (एवरीप ई आइर ऑफ फिल्म प्रेनडिग्न स्टेट मेडिकल इंस्टीट्यूट) ए.एम.एम.आर."।

[मंडपा अं.- 11015/38/89-एम ई (न.)]

S.O. 3122.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 13 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendment in Part II of the Third Schedule to the said Act, namely :—

In Part II of the Third Schedule to the said Act, the following entry shall be added at the end, namely :—

"M.D. (Physician) (Govt the Order of Peoples Friendship State Medical Institute) U.S.S.R."

[No. 11015/38/89-ME (P)]

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1989

का. पा. 3123.—केंद्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, उक्त अधिनियम की पहली अनुमूली में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अनुमूली में, भारतीय वासन विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टियों अंतर्गतीपन की जाएगी, अर्थात्:—

“भारतीय विश्वविद्यालय
बैचलर प्रॉफ मैट्रिसिं एंड
बैचलर प्रॉफ सर्जरी।

[सं. घो- 11515/40/89-एम. ई. (पी.)]
आर. शोनिवासन, अक्षर तचित

New Delhi, the 10th November, 1989

S.O. 3123.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said schedule, after the entries relating to the Bharathidasan University, the following entries shall be inserted, namely:—

Bharathiar University

Bachelor of Medicine and Bachelor M.B.B.S.”.
of Surgery.

[No. V. 11015/40/89-ME (P)]
R. SRINIVASAN, Under Secy.

अम भंत्रालय

[नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1989]

का. पा. 3124.—शोधोगिक विद्याद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार व मैसैज़ इंस्टर्ट कोल कोलेज सिमि, की मिथानी कोलियरी के प्रबन्धतात्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कम्पंकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट शोधोगिक विद्याद में केंद्रीय सरकार शोधोगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 9-11-89 प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 10th November, 1989.

S.O. 3124.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mithani Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 9-11-1989.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
AT CALCUTTA.

Reference No. 66 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Mithani Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Sukumar Chakravarty

.....Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of employer : Mr. B. N. Lala, Advocate.

On behalf of Workmen : None.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Coal.

AWARD

By Order No. L-19012/9/86-D. IV(B), dated 16th October, 1986, the Government of India, Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Mithani Colliery of M/s. E. C. Ltd., in dismissing the workman, Shri Sudhir Bouri, Underground Tramrier from his service with effect from 18-1-1984 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?”.

2. When the case is called out today, Mr. B. N. Lala, Advocate appears for the Management but nobody appears for the workman. A petition has however been received from the Union stating therein that the Union is not interested to proceed with the reference. The Union has prayed for a “No Dispute Award”. Mr. Lala has also submitted that a “No Dispute Award” be passed.

3. On due consideration of the petition of the Union as well as the submission of Mr. Lala for the management, I find that this Tribunal has no other alternative but to pass a “No Dispute Award” and accordingly a “No Dispute Award” is passed.

This is my Award.

Dated, Calcutta,
The 1st November, 1989.

SUKUMAR CHAKRAVARTY, Presiding Officer.

[No. L-19012(9)/86-D. IV. B/IR (C-11)]

R. K. GUPTA, Desk Officer.

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1989

का. पा. 3125.—शोधोगिक विद्याद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार, मैसैज़ भारत कोकिंग कोल लि. का कोलेया भवन, धनबाद के प्रबन्धतात्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कम्पंकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट शोधोगिक विद्याद में केंद्रीय सरकार शोधोगिक अधिकरण (सं. 2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 10-11-1989 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd November, 1989

S.O. 3125.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Koyla Bhawan, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-11-1989.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.

Reference No. 19 of 1987

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Limited Koyla Bhawan, Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workman : Shri B. C. Mukherjee,
Vice President,
Coal Miner's Union.

On behalf of the employers : Shri B. N. Prasad,
Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 3rd November, 1989

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012/73/86-D.IV(B), dated, the 31st December, 1986.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Bharat Coking Coal Limited, Koyla Bhawan, Koyla Nagar Hqs., Dhanbad in denying to regularise Shri P. K. Bhattacharjee Clerk Grade-II to Clerk Grade-I from 5-8-1977 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

The case of the workman is that the concerned workman Shri P. K. Bhattacharjee was appointed in Clerical Grade-II in the year 1955 in BCCL. On 5-8-77 the concerned workman took charge of duties from one of the Sr. Accounts Assistant at Headquarters of BCCL and since then he is discharging the said duties to the full satisfactory of the management. The concerned workman after taking charge from the Sr. Accounts Assistant is discharging the duties of Clerical Grade Special as his predecessor-in-office was in Clerical Grade Special. Although the concerned workman is discharging the duties of Clerical Special Grade, he is designated as Clerk Gr.-II and is being paid the salary of the pay scale of Clerk Grade-II. The industrial norm that has come into existence through various judicial decision is that workmen should be paid accordingly to the nature of job being performed by him but the said norm has been fully violated in the case of the concerned workman. The denial of the management of BCCL to give effect to his own policy clearly indicate that the management is exploiting the concerned workman. The duties being performed by the

concerned workman when compared with the job description of the management will show that the concerned workman is performing the job of Clerk special grade since 5-8-77. The concerned workman is therefore entitled to be regularised in the post of Clerk special Grade with effect from 5-8-77, the date from which he is performing the job of clerk special grade. On the above facts it is prayed that the concerned workman be regularised as Clerk Special grade with effect from 5-8-77 and that the management should be directed to pay the difference of wages of Clerical Grade-II and special grade clerk.

The case of the management is that the concerned workman was appointed by the BCCL on 8-9-75 as an Accounts Assistant in Clerical Grade-II and posted in the Accounts department of the company. The concerned workman has all along been performing the duties of an Accounts Assistant in Clerical Grade-II and has never performed the duties of higher nature. In November, 1985 Bihar Coal Mines Union raised an industrial dispute for the first time with the ALC(C), Dhanbad claiming that the concerned workman has been performing the duties of higher nature from 5-8-77 and that he deserve atleast clerical Grade special which was 2 steps higher than the post of Accounts Assistant Grade-II in which he was working. The management did not accept the contention of the workmen as it was factually wrong. The concerned workman realising that he could not have been promoted to the next higher grade in view of the fact that he was junior to many of the Accounts Assistant Grade-II and that Company's cadre scheme and the norms of promotion would not permit supersession of the seniors, the union came out with a plea of regularisation in a post 2 steps higher than the post which the concerned workman was holding. The present dispute was raised after nearly 8½ years of the date when the alleged cause of action arose in the year 1977. The belated claim is an after thought and has been raised with a view to secure promotion by indirect method by short circuiting the cadre scheme, D.P.C. and norms of promotion. The concerned workman had put in only one year and 8 months service in clerical Grade-II and in such short period he did not acquire the efficiency and skill of the next higher post of Clerical Grade-I much less the post of a special grade. A raw hand like the concerned workman having very little working experience could not have been given the charge of the post of Sr. Accounts Assistant which is highly responsible job and requires special proficiency and skill. The management had enough staff in higher post to look after the higher jobs of the accounts department. There was no occasion to engage a junior staff like the concerned workman in the post of Clerk Special grade.

The management has a cadre scheme since June 1977 which guides the promotion of ministerial staff. In terms of the cadre scheme the promotion to special grade is only from clerical Grade-I and no employee can be promoted directly from Clerical Grade-II to special grade by jumping over clerical Grade-I employees. If the cadre scheme is violated as is being prayed by the union of the workmen it will have chaotic and disastrous effect on the total

management system leading to serious industrial dispute and industrial unrest.

The management has already promoted the concerned workman to Clerical Grade-I vide promotion order dated 4-7-87 on the recommendation of the D.P.C. On the above facts it is prayed on behalf of the management that the claim of the union should be rejected and the award be passed in favour of the management.

The points for decision in the case are.—

- (1) Whether the concerned workman is performing the job of Special Grade Clerk or Clerk Grade-I ?
- (2) Whether the concerned workman should be regularised to the post of Clerk Grade-I with effect from 5-8-77 ?

The management examined one witness and the workmen examined 2 witnesses in support of their respective case. The documents of the management are marked Ext. M-1 to M-4 and the documents of the workmen are marked Ext. W-1 to W-3.

Point No. 1

Admittedly, the concerned workman was appointed by BCCL as Accounts Assistant in Clerical Grade-II on 8-9-75. Ext. M-2 is the promotion policy for ministerial cadre in BCCL dated 20-6-77. The said promotion policy for the ministerial cadre was finalised in consultation with the trade union representative and was binding on the workmen. The said cadre promotion policy for ministerial cadre will show the qualification, experience and the channel of promotion of ministerial cadre of BCCL. Para-6 of Ext. M-2 gives principles of promotion and provides that for the purpose of promotion from Grade-III to Gr. II and from Grade-II to Grade-I employees will be promoted on the basis of seniority as the main criteria subject to their satisfactory performance and that the employees from Grade-I to special Grade—will be promoted on the basis of seniority-cum-suitability through D.P.C. There is no provision in the cadre scheme for double promotion or so on. The promotion has to be made according to its chain of promotion stated therein after the clerical employee has gained the specified years of experience in a particular grade. Even the concerned workman WW-1 P.K. Bhattacherjee has stated in his cross-examination that he has heard about the cadre schemes of Accounts Personnel in BCCL according to which Clerk Grade-II are promoted to Clerk Grade-I and thereafter to Clerk special grade. Thus it will appear clear that the concerned workman is claiming for the post of clerk special grade not on the basis of the cadre scheme for the ministerial staff. It will appear from the W.S. filed by the union that as the concerned workman took charge from a Sr. Accounts Assistant at Head quarters on 5-8-77, he was discharging the said duties special grade. That in nutshell who was in clerical of the Sr. Accounts Assistant is the basis on which the concerned workman is claiming that he should be regularised in Clerk special grade.

The workman WW-1 has stated that on 5-8-77 he was transferred to Sales and Accounts department at Jealgora and thereafter he was directed to do the work which was being performed by Shri P.H.S. Kurup, Clerk special grade and that he was also doing the work of scrutiny and analysis of deductions made by the consumers reconciliation of billing accounts with areas as well as with the consumers providing information to the management regarding outstanding and credit memo analysis compilation of annual accounts of follow up action for realisation of dues from the consumers. He has stated that these additional jobs were formerly performed by Shri B.C. Karmakar, Clerk Grade special. In his evidence he claims for regularisation in Clerical Grade-I from 5-8-77 and it appears that he is giving up his claim for regularisation in Clerk special grade. In cross-examination WW-1 has stated that he had no experience of working as Accountant prior to 5-8-77. He admits that there was Accountant and clerk special grade in the said department and it will also appear from his evidence that he was assigned to perform some duties which were being performed by Shri Kurup which was the job of Special Grade Clerk. The management has submitted a list of the staff of sales Accounts department which is marked Ext. M-3. It gives the list yearwise for the years 1977, 1981, 1986-87 and 1987-88. From the list of 1977, 1981 and 1986-87. It will appear that in 1977 there was one person in supervisory grade 4 in special grade, 3 in clerk grade I and 3 in Clerk Gr. II including the concerned workman. The list of 1981 shows that there were 2 in the supervisory grade, 2 in the special grade, 3 in Clerk Grade-I, 2 in Clerk Grade-II. The list of 1986-87 will show that one was in the supervisory grade, 6 in Clerical Grade-I and 2 in Clerical Grade-II besides Accounts trainee and Accountant. Thus list of the clerical employees working in the Sales and Accounts department will show that there were many clerks working in special grade and Clerical Grade-I and as such it does not appear to reason that the concerned workman who had only an experience of one year and 8 months would be asked to do the duties of the Clerk of the special grade requiring greater experience and skill in his work superseding many Sr. Clerks. Admittedly there is no order to show that the concerned workman had taken charge of the duties of Shri Kurup. There is also nothing on the record to show the specific duties which the concerned workman was asked to perform prior to 14-8-86. Ext. W-2 dated 14-8-86, no doubt, shows the jobs re-allocation amongst every members of the Sales and Accounts section including the concerned workman. This allocation of the works to the concerned workman was when the concerned workman was in Clerical Grade. II. Ext. W-3 dated 5-8-88 is an office order by which modification of all earlier orders were made and work was re-distributed amongst the non-executive employees of Sales Accounts section with immediate effect. It includes the name of the concerned workman allocating work to him and this was allotted when the concerned workman had already been promoted to the post of Grade-I Clerk. Ext. M-1 appears to show

the work being performed by the concerned workmen in the Sales and Accounts Section but it is not signed by any officer and its authenticity cannot be vouch safed. But however, MW-1 has himself stated that presently the concerned workman is doing some of the work stated in Ext. W-1 and besides that he is doing some other job also. He further stated that the concerned workman was doing all the jobs stated in Ext. W-1 prior to his promotion. Thus it is admitted by MW-1 that the concerned workman was doing all the jobs stated in Ext. W-1 under the supervision of Sr. Clerk. There is no document to show that the job stated in Ext. W-1 was being performed by Shri Kurup as special grade Clerk. WW-2 J.C. Acharya posted in the Sales and Accounts department at the headquarters of BCCL in 1977 has stated that the concerned workman was entrusted with the job of maintaining debtors ledger of FCI, DESU and DPL, preparation of the statement relating to grade and quality of coal preparation of outstanding statement of concerned debtors, re-conciliation of outstanding sales with the areas concerned and the customers concerned and preparation of final figures of accounts closing. According to him all these jobs were looked after by Shri Kurup and that he said job was of Clerk special grade. On comparison of the evidence of WW-2 and WW-1 with Ext. W-1 it will appear that the job alleged to have been performed by the concerned workman in annexure-C to the Ext. M-2. The nature of job description stated in Ext. W-1. The nature of job duties in different ministerial grades are included in annexure-C to the Ext. M-2. The nature of job of special grade is of highly skilled nature requiring trust and sense of responsibilities. The nature of job of special grade clerk stated in Annexure-C of Ext. M-2 do not tally with job stated to have been performed by the concerned workman. The concerned workman has himself admitted that he does not supervise the work of the section or sub-section which is one of the important jobs of special grade clerk. MW-1 has stated that the concerned workman was under him since 1977 when he was Accounts Officer and he is the immediate controlling officer of the concerned workman. He has stated that he assigns work to the concerned workman and that when the concerned workman was Accounts Clerk Grade-II he had not assigned to the concerned workman the job of special grade clerk or of the job of Grade-I clerk. He has stated that there were clerk grade-II, Grade-I, special grade clerk and supervisor Grade-A in the sales department in 1977. He has also stated that the concerned workman was not eligible for regularisation in Clerical Grade-I or Clerk special grade in accordance with the cadre scheme. He has stated that as Clerk Grade-II the concerned workman had never supervised the work of any other employee. He has denied that the concerned workman was making any analysis of the data received. Thus on the evidence discussed above it will appear that the concerned workman was neither performing the duties of Clerk Grade-I nor Clerk special grade as provided in the cadre scheme Ext. M-2 nor it has been established that the concerned workmen was performing the jobs which were being performed by the clerk of special grade since 5-8-1977.

I held therefore that the concerned workman was neither performing the job of Clerk Grade-I or Clerk special grade prior to his promotion to Grade-I clerk on 4-7-87.

Point No. 2

In view of the finding made above that the concerned workman was not performing the duties of Clerk Grade-I or special grade, he cannot be regularised in the post of Clerk Grade-I or Clerk special Grade.

However, now it is admitted by the concerned workman as well as by the management's witness supported by Ext. M-1 dated 4-7-87 that the concerned workman was promoted to the post of Grade-I clerk on the recommendation of the D.P.C. and the concerned workman is working as Grade-I clerk with effect from 5-7-87, and is discharging the duties stated in Ext. W-3. The said promotion has been made not on the basis of the duties already performed by the concerned workman of Clerical Grade-I but he was promoted on the basis of the recommendation of the D.P.C. from Clerk Grade-II to Clerk Grade-I and it was not a case of regularisation.

I held, therefore that the concerned workman is not entitled to be regularised as Clerk Grade-I or Clerk special grade with effect from 5-8-77 and as already stated above he has already been promoted from Clerk Grade-II to the post of Clerical Grade-I on the recommendation of the D.P.C.

In the result, I held that the action of the management of BCCL, Koyala Bhawan, Koyala Nagar, Headquarters in denying to regularise the concerned workman Shri P. K. Bhattacharjee Clerk Grade-II to Clerk Grade-I or to clerk special grade with effect from 5-8-77 is justified and consequently the concerned workman is entitled to no relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-24012/78/86-D. IV(B)|IR(Coal-J)]

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1989

का.पा. 3126.—भौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लि. का भोरा थेल सं.-11 की घमलाबाद कोलियरी के प्रबन्धताल में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, घनुभूष में निर्दिष्ट भौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक प्रधिकरण, (सं. 1) धनबाद के पंचाट ने प्रकाशित करती है।

New Delhi, the 24th November, 1989

S.O. 3126.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Amlabad Colliery of Bhowra Area No. XI of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d)
of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 89 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Amlabad Colliery of M/s. Bharat Coking
Coal Limited.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers :—Shri B. N. Singh, Advocate,
and Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen :—Shri D. Mukherjee, Secretary,
Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 30th October, 1989

AWARD

By Order No. L-24012/204/87-D-4(B), dated the 26th July, 1988, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Amlabad Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, Bhowra Area No. XI, P.O. Bhowra in superannuating Sri A. C. Sirkar, Senior Dresser w.e.f. 1-1-1987 is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The case of the management of Amlabad Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. as disclosed in its written statement-cum-rejoinder, details apart, is as follows.

The concerned workman, A. C. Sirkar, Senior Dresser, Amlabad Colliery was appointed in the year 1947. His age was recorded as 20 years in 1947 in Form B register which is the statutory record maintained at the colliery. This statutory record being maintained under statute is a document legally binding on all the parties. His date of birth was not available in any other record of the employer. In accordance with the condition of service the age of superannuation being 60 years, he was retired from service of the company with effect from 1-1-1987 According to the decision of the Joint Bipartite Committee for the Coal Industry which is binding on the parties,

the matter of discrepancy in age is resolved by a reference to the Medical Board constituted by the management for the purpose provided there is a variation in the age in different records or there is a glaring mistake in recording the age. Since the age of the concerned workman was recorded in only one record i.e. Form B register and since there was no variation in the age recorded in different records, the question of his referring to the Medical Board for determination of age did not arise. His physical appearance and length of service about 40 years indicate that there was no glaring mistake in recording his age. The entries in Form B register bear the signature of the concerned workman who is a literate person and his signature can be accepted as token of his acceptance and he was well aware of his age as recorded in Form B register. He never disputed his age during his service. He, however, raised a dispute only at the time of superannuation with a view to snatch a few more years of service by taking a chance. There was no cogent and valid ground for re-assessment of his age. In the circumstances, the management has asserted that its action in superannuating him with effect from 1-1-1987 is justified and legal.

3. The case of the concerned workman as appearing in the written statement submitted on his behalf by the sponsoring union, Bihar Colliery Kamgar Union, briefly stated, is as follows.

The concerned workman had been working as permanent Dresser at Amlabad Colliery since long with unblemished record of service. At the time of his appointment his date of birth was recorded as 15-7-1928. In the Provident Fund Form A also his date of birth was recorded as 15-7-1928. Despite the fact the management superannuated him with effect from 1-1-1987 on the alleged ground of his attaining 60 years of age. He protested against the illegal and arbitrary action of the management and demanded reinstatement in service with full back wages or alternatively to refer him to the Medical Board as per management's own decision for determination of age. But the anti-labour management refused to settle the issue amicably, which culminated into the present reference. In the context of these facts and circumstances the concerned workman has prayed that the management be directed to reinstate him with full back wages or alternatively to refer him to Medical Board for determination of his age.

4. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union, the management has admitted that the concerned workman was a permanent Dresser of Amlabad Colliery, but asserted that no age was recorded in Provident Fund Form-A. The management has asserted that there is no merit in the case of the concerned workman justifying its reference to the Medical Board for determination of his age.

5. In rejoinder to the written statement of the management, the sponsoring union has asserted that the age of the concerned workman was recorded in the C.M.P.F. Form 'A' as 15-7-1928. The union has asserted that there was variation in the record which is evident from the fact that in Identity Card the age

of the concerned workman was not mentioned. Identity Card is the only document issued to the workman stated in his written statement that his age was recorded in Form B register. The sponsoring union has denied all other allegations impinging on the case of the concerned workman.

6. The management has examined two witnesses, namely, MW-1 Md. Rasik Quarasi, presently posted as P.O.'s Clerk at Amlabad Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. and MW-2 K. N. Jha now posted to K.O.C.P., Dhanasar as Head Clerk and earlier posted to Amlabad Colliery and laid in evidence two items of documents which have been marked Exts. M-1 and M-2. Besides, at the instance of the management the relevant conciliation file was called for and produced.

On the other hand, the sponsoring union has examined the concerned workman and laid in evidence a number of documents which have been marked Exts. W-1 to W-4.

7. Admittedly, the concerned workman was working as permanent Senior Dresser in Amlabad colliery of M/s. B.C.C. Ltd. before he was superannuated from service with effect from 1-1-87. It is the contention of the management that he was retired from service on the basis of age as recorded in Form B register.

Sri B. Joshi, learned Advocate for the management has submitted that Form B register is a statutory register and that since there is no variation of age of the concerned workman as recorded in Form B register and the age of the concerned workman as recorded in any other records, the action of the management in superannuating the concerned workman from service with effect from 1-1-1987 is justified. He has further contended that although the concerned workman has stated therein his full particulars as recorded in Form B register in Provident Fund From 'A' as 15-7-1928 but the sponsoring union and the concerned workman have failed to produce that document. This being the position, the action of the management, according to Sri Joshi, in superannuating the concerned workman with effect from 1-1-87 is justified.

On the other hand, Sri D. Mukherjee, authorised representative of the sponsoring union has assailed the Form B register as a purious document not maintained chronologically and contemporaneously. He has further contended that since the Identity Card issued to the concerned workman as per Mines Rules does not bear the age or date of birth of the concerned workman it must be considered that their exists variation in the age recorded in the records of the employer and so the management was not justified in superannuating the concerned workman from service with effect from 1-1-87 without referring him to the Medical Board for determination of age in accordance with its own policy decision.

8. Admittedly, the policy of the management is to refer any workman to the Medical Board for determination of his age if there exists any variation of age as recorded in different records or registers of the employer.

9. The sheet anchor of the case of the management is the entries in the Form B register. Form B register (Ext. M-1) is kept and maintained under the provisions of Section 48 of the Mines Act and Rules framed thereunder i.e. Rules 48(3), 51 and 77 of the Mines Rules. Section 48(1) of the Mines Act and Rules framed thereunder provides that for every mine there shall be kept in the prescribed form and place a register of all persons employed in the mine showing in respect of each such person certain particulars, such as, name of the employee, his father's/husband's name, age and sex of the employee and also other particulars. Section 48(3) of the Mines Act provides for no person shall be employed in mine until the particulars required by sub-section (1) have been recorded in the register in respect of such persons. This being the legal position it follows that the Form B register must be a contemporaneous document alongwith the employment of the workmen in a mine. In the Form B register of Amlabad colliery the particulars of the concerned workman has been recorded; his age has been recorded as 20 years and the date of commencement of his employment is recorded as May, 1947. This means that at the time of his employment the concerned workman declared his age to be 20 years as on May, 1947. Since no date of employment is available, it shall be presumed that his age was 20 years as on 1-5-1947. In this view of the matter the concerned workman reached the age of superannuation after attaining 60 years on 30-4-1987. But the management superannuated him from service with effect from 1-1-1987. Hence, the action of the management is not justified even on the basis of its own record.

10. Sri D. Mukherjee has assailed the Form B register by submitting that it is not a contemporaneous document. Upon a perusal of the Form B register it is abundantly clear that it is not a contemporaneous document. Both the witness for the management have stated that the Form B register was filled up by MW-2 K. N. Jha. Sri K. N. Jha has admitted that in 1967 the Form B register (Ext. M-1) was prepared during the time of erstwhile private management and he filled up the age column on being informed by the concerned workman. Thus, it is established by evidence that the Form B register (Ext. M-1) did not see the light of the day when the concerned workman joined the service of Amlabad colliery in May, 1947. Besides, the date of employment of the workmen has not been chronologically maintained in this register. The age of the concerned workman appears to have been written in different ink from the ink used in recording his other particulars in the said register. Since Form B register is not a contemporaneous document and since it has not been maintained chronologically and different ink has been used in recording the particulars of the concerned workman, I am constrained to state that this register is not a dependable document for determining the age of the concerned workman.

In the Identity Card (Ext. W-3) the date of birth of the concerned workman has not been given. MW-1 Md. Rasik Quarasi has stated that identity cards were issued to the workmen on the basis of entries in Form B register. This being so, the age as recorded in Form B register (Ext. M-1) should have been

recorded in the identity card of the concerned workman (Ext. W13). But as I have stated earlier the identity card does not bear the age of the concerned workman. In the circumstances, there is reason to believe that the age of the concerned workman was recorded in Form B register after identity card was issued to the concerned workman.

Sri B. Joshi has criticised the sponsoring union by stating that it could not produce Form A nor has Form 'A' been called for by the union. But the conciliation record indicates that Form 'A' relating to the concerned workman is no longer available. On a reference made by the Conciliation Officer it has been reported by the Regional Commission, C.M.P.F.—D.III by his letter dated 25-8-87 that the declaration in Form 'A' in respect of the concerned workman is not available in the office. Hence, there is little scope for criticism if the union has failed to produce the document which is no longer available.

The concerned workman claims to have produced his school leaving certificate before the management in dated 15-4-1956. So he could not have produced this certificate before the management in 1951. Anyway, according to the school leaving certificate his date of birth was 11-2-1931 (Ext. W-4). But it is the ipse dixit of the concerned workman that he produced the identity card before the management.

11. In view of the facts and evidence the management was not justified in sperannuating the concern-

ed workman from service on 1-1-87. In the circumstances, the management is directed to determine the age of the concerned workman by referring him to the Medical Board and to reinstate him in service with back wages provided it is found that he has not reached the age of superannuation.

12. Accordingly, the following award is rendered—the action of the management of Amlabad Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd, Bhowra Area No. XI in superannuating Sri A. C. Sirkar, Senior Dresser w.e.f. 1-1-87 is not justified. The management is directed to determine the age of the concerned workman by referring him to the Medical Board within one month from the date of publication of the award and to reinstate him in service with full back wages for the idle period provided it is found that he did not reach the age of superannuation. If it is found that he reached the age of superannuation after 1-1-87 but before the date of medical examination, the management in that event should pay him back wages for the period with consequential benefits. In the event of failure of the management to hold medical examination of the concerned workman for determination of his age within the time stipulated the concerned workman should be reinstated in service with full back wages forthwith.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer.
[No. L-24)12(204)87-D.IV(B)|JR(Coal-I)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

